



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 52]

नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 30, 1978/पौष 9, 1900

No. 52]

NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 30, 1978/PAUSA 9, 1900

इस भाग में सिक्त पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह भ्रम संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

### भाग II—खण्ड 4

### PART II—Section 4

रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश

Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence

रक्षा मंत्रालय

MINISTRY OF DEFENCE

New Delhi, the 6th December, 1978

नई दिल्ली, 6 दिसम्बर, 1978

का० वि० का० 371.—यल सेना अधिनियम, 1950 (1950 का 46) की धारा 8 में दिए गए अधिष्ठातों का उपयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार द्वारा भारत सरकार रक्षा मंत्रालय के 6 जुलाई, 1963 के एस० आर० पी० नं० 199 में दी गई अधिसूचना में नीचे लिखे संशोधन किए जाते हैं:—

ऊपर लिखी अधिसूचना के सात नवी सारणी के खाना (1) में—

(क) 'कमान्डेंट, कॉलेज आफ कम्बैट मऊ' की प्रविष्टि के बाद नीचे लिखी प्रविष्टि शामिल की जाए:—

"कमान्डेंट आर्मेड कोर सेन्टर और स्कूल, अहमदनगर";

(ख) 'कमान्डेंट स्कूल आफ आर्टिलरी, देवलाही' की प्रविष्टि के बाद 'कमान्डेंट आर्मेड कोर सेन्टर और स्कूल, अहमदनगर' की प्रविष्टि काटे दी जाए।

[फाइल नं० 41776/पी० एस 1]

मोहिनंदर सिंह, उप सचिव

S.R.O. 371.—In exercise of the powers conferred by section 8 of the Army Act, 1950 (46 of 1950), the Central Government hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Defence, No. SRO 199, dated the 6th July 1963, namely:—

In column (4) of the Table annexed to the said notification—

(a) after the entry "The Commandant, College of Combat, Mhow", the following entry shall be inserted, namely:—

"The Commandant Armoured Corps Centre and School, Ahmednagar";

(b) the entry "The Commandant Armoured Corps Centre and School, Ahmednagar" occurring after the entry "The Commandant School of Artillery, Deolali" shall be omitted.

[F. No. 41776/PS1]

MOHINDER SINGH, Dy. Secy. (AG)

नई दिल्ली, 15 दिसम्बर, 1978

कितनी बार ऐसी परीक्षा में बैठ सकते हैं, इस पर कोई निबन्धन नहीं होगा।"

[का० सं० 1(79)/78/बी० (एफवाई-1)]

एन० वासु नायर, सचिव

का० नि० आ० 372—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 परन्तु द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय आर्म्स कारखाना सेवा (वर्ग-1) भर्ती नियम, 1972 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम भारतीय आर्म्स कारखाना सेवा (वर्ग 1) भर्ती (संशोधन) नियम, 1978 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. भारतीय आर्म्स कारखाना सेवा (वर्ग-1) भर्ती नियम, 1972 में,—

(1) जहाँ कहीं भी शब्द और श्रृंखला "वर्ग 1" तथा "वर्ग 1 और वर्ग 2" आए हैं, उनके स्थान पर क्रमशः "समूह क" तथा "समूह क और समूह ख" शब्द और श्रृंखला रखे जाएंगे;

(2) नियम 2 के खण्ड (ख) की मद (ii) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

"(ii) इस सेवा और ऐसी अन्य सेवा या सेवाओं में भर्ती के लिए, जो सरकार द्वारा समय-समय पर विनिर्दिष्ट की जाएं आयोग द्वारा एक संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा को जाएगा, जिसमें प्रारम्भिक परीक्षा और मुख्य परीक्षा होंगी।"

(3) नियम 15 के उपनियम (2) में, श्रृंखला "24" के स्थान पर श्रृंखला "28" रखे जाएंगे;

(4) नियम 16 के उपनियम (2) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

"(2) अभ्यर्थी के पास, भारत में केन्द्रीय या राज्य विधान-मण्डल के अधिनियम द्वारा निर्गमित किसी विश्वविद्यालय की या संसद के किसी अधिनियम द्वारा स्थापित अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 की धारा 3 के अधीन विश्वविद्यालय के रूप में घोषित समझी गई किसी अन्य शैक्षिक संस्था की उपाधि है या समतुल्य अर्हता है।

टिप्पण—1. प्रसाधारण मामलों में, संघ लोक सेवा आयोग किसी ऐसे अभ्यर्थी को भी, जिसके पास पूर्ववर्ती कोई भी अर्हता नहीं है, अर्हता मान सकेगा परन्तु यह तब जब उसने ऐसी अन्य संस्थाओं द्वारा संचालित परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है, जिसका स्तर आयोग की राय में, अभ्यर्थी के परीक्षा में प्रवेश की न्यायोचित ठहराव है।

टिप्पण—2. ऐसे अभ्यर्थी भी, जिनके पास ऐसी व्यावसायिक और तकनीकी अर्हताएं हैं, जिन्हें सरकार ने व्यावसायिक और तकनीकी उपाधियों के समतुल्य मानकर मान्यता दे दी है, परीक्षा में प्रवेश के पात्र होंगे।"

(5) नियम 17 में—

(i) "दो से अधिक बार" शब्दों के स्थान पर "तीन से अधिक बार" शब्द रखे जाएंगे;

(ii) अन्त में निम्नलिखित परन्तु प्रवृत्त किया जाएगा, अर्थात् :—

"परन्तु अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के ऐसे अभ्यर्थी, जो अन्यथा पात्र हैं,

New Delhi, the 15th December, 1978.

S.O. 372.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Indian Ordnance Factories Service (Class-I) Recruitment Rules, 1972, namely :—

1. (1) These rules may be called the Indian Ordnance Factories Service (Class-I) Recruitment (Amendment) Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Indian Ordnance Factories Service (Class I) Recruitment Rules, 1972—

(1) for the words and figures "Class I" and "Class I and Class II" wherever they occur, the words and the letters "Group-A" and "Group-A & Group-B" shall respectively be substituted;

(2) in rule 2, in clause (b), item (ii), the following shall be substituted, namely :—

"(ii) a combined competitive examination consisting of a preliminary examination and the main examination held by the Commission for recruitment to the Service and such other Service or Services as may be specified by the Government from time to time."

(3) in rule 15, in sub-rule (2), for the figures "24", the figures "28" shall be substituted;

(4) in rule 16, for sub-rule (2), the following sub-rule shall be substituted, namely :—

"(2) A candidate shall hold a degree of any of the Universities incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or other educational institution established by an Act of Parliament or declared to be deemed as a University under Section 3 of the University Grants Commission Act, 1956 or possess an equivalent qualification.

Note-I. In exceptional cases the Union Public Service Commission may treat a candidate who has not any of the foregoing qualifications, as a qualified candidate provided that he has passed examination conducted by other institutions, the standard of which in the opinion of the Commission, justified his admission to the examination.

Note-II. Candidates possessing professional and technical qualifications which are recognised by a Government as equivalent to professional and technical degrees should also be eligible for admission to the examination."

(5) in rule 17—

(i) for the words "two times", the words "three times" shall be substituted;

(ii) the following proviso shall be inserted at the end, namely :—

"provided that there shall be no restrictions on the number of attempts for candidates belonging to the

Scheduled Castes and the Scheduled Tribes who are otherwise eligible."

[File No. 1(79)/78-D(Fy-I)]

N. VASU NAYAR, Under Secy.

नई दिल्ली, 18 दिसम्बर, 1978

का० लि० आ० 373:—छावनी अधिनियम 1924 (1924 की 2) की धारा 13 की उपधारा (7) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा अधिसूचित करती है कि केन्द्रीय सरकार द्वारा श्री वी० एस० सोधी कार्यकारी मजिस्ट्रेट की कार्यकाल की अवधि समाप्त हो जाने के कारण छावनी बोर्ड समुत्तर की सदस्यता में एक रिक्ति हो गई है।

[फाइल सं० 19/55/सी/एल एण्ड सी/67/4026/सी/डी (कैन्ट)]

New Delhi, the 18th December, 1978.

S.R.O. 373.—In pursuance of sub-section (7) of Section 13 of the Cantonments Act 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that a vacancy has occurred in the membership of the Cantonment Board Amritsar by reason of expiry of term of office of Shri V. S. Sodhi Executive Magistrate.

[File No. 19/55/C/L&amp;C/67/4026-C/D(CANTTS)]

का० लि० आ० 374:—छावनी अधिनियम, 1924 (1924 की 2) की धारा 13 की उपधारा (7) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा

द्वारा अधिसूचित करती है कि श्री वी० एस० सोधी कार्यकारी मजिस्ट्रेट को, उस अधिनियम की धारा 13 (4) (ब) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जिला मजिस्ट्रेट समुत्तर द्वारा, श्री वी० एस० सोधी कार्यकारी मजिस्ट्रेट जिनकी सदस्यता की अवधि समाप्त हो गई थी, के स्थान पर छावनी बोर्ड समुत्तर के सदस्य के रूप में पुनः नाम निर्देशित किया गया है।

[फाइल सं० 19/55/सी/एल एण्ड सी/67/4026/सी/डी (कैन्ट)]

प्रदीप भट्टाचार्य, अधर सचिव

S.R.O. 374.—In pursuance of sub-section (7) of Section 13 of the Cantonments Act 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that Shri V. S. Sodhi Executive Magistrate has been re-nominated as a member of the Cantonment Board, Amritsar by the District Magistrate Amritsar in exercise of the powers conferred under Section 13(4)(b) of that Act vice Shri V. S. Sodhi, Executive Magistrate whose term of office has expired.

Practi -s; Sa ay) s—,ro

[File No. 19/55/C/L&amp;C/67/4026/C/1/D (CANTTS)]

P. BHATTACHARYA, Under Secy.



